

## LOK SABHA

Monday, November 26, 1973/Agraha-  
yana 5, 1895 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the  
Clock

[MR. SPEAKER in the Chair]

## ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

**Transporting Cement and other commodities to North East Region from Calcutta to Paradeep Ports**

\*211. SHRI P. R. SHENOY: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether ships from Calcutta to Gauhati are not fully loaded at present; and

(b) if so, whether the possibility of transporting cement and other commodities to North East region of the country from Calcutta and Paradip has been considered?

THE MINISTER OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI KAMLA-PATI TRIPATHI): (a) Mercantile cargo from Calcutta to Gauhati is not adequately available.

(b) The proposal for transporting cement from Calcutta to North-East region by river is under consideration.

SHRI P. R. SHENOY: In view of the rapid congestion at Calcutta and transport bottleneck at Farraka and also transhipment difficulty at Bongaigaon and the non-availability of wagons everywhere, may I know whether the Government will consider the transportation of cement and GI pipes and iron sheets and other essential commodities from Calcutta and Paradeep to Gauhati immediately;

श्री कमलापति त्रिपाठी : सरकार इस पर विचार कर रही है। यह इसमें विचार गया है। यह मामला विचारार्थ है, रेलवे से बात चीत भी हो रही है और जल्दी ही यह मामला हल हो जायेगा यदि कंजेशन हल हो जाये।

SHRI P. R. SHENOY: The Minister says that the matter is under consideration. But in the entire north eastern region now there is acute shortage of cement and also from sheets which are very essential for house building activity. In Assam they want to have a cement factory. Even for that they require cement and that is not available now. In view of these factors, may I know whether cement, iron sheets and other essential commodities will be sent to the North-eastern region immediately by ship? These things can be sent by ship not only from Calcutta but also from Paradip to Gauhati and also if possible to Agartala, because the ships are now coming from Gauhati to Calcutta fully loaded and when they go back from Calcutta to Gauhati they go practically empty?

श्री कमलापति त्रिपाठी : एंडीक्वैट कार्गो एवलेबिल नहीं है। शिप और रेलवे के रेट में बड़ा फर्क है इसलिए शायद लोग शिप से भेजने के लिए बहुत ज्यादा एन्करेज नहीं हो रहे हैं। कोशिश की जा रही है रेलवे से कि किसी तरह से ऐसे फ्रेट हो जाये कि शिप से भी उनका शिपमेंट हो सके। मैं समझता हूँ जल्दी ही इसका फैसला हो जायेगा। रेलवे मिनिसट्री और ट्रान्सपोर्ट मिनिसट्री दोनों आपस में बातचीत कर रही हैं और बहुत जल्दी इसका फैसला हो जायेगा।

**श्री कुमचन्द्र कछवाय :** अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जा से जानना चाहता हूँ कि पत्तनों से माल ले जाने और लाने की समस्या बड़ी जटिल है, क्या आपको जानकारी है कि इस समय वास्त्रे कलकत्ता पत्तनों पर काफी डिब्बे खड़े हैं, वह खाली नहीं हो रहे हैं जिसके कारण दिक्कतें बढ़ रही हैं ?

**अध्यक्ष महोदय :** कहां गौहाटी है और कहां आप बम्बई की तरफ चले गये ।

**श्री मधु लिमये :** अध्यक्ष महोदय, देश के विभाजन के पहले पूर्वोत्तर भारत में पहाड़ों गंगाजी का जलमार्ग यातायात का एक प्रमुख साधन था । बंगलादेश की मुक्ति के बाद इस जलमार्ग का पूरी तरह विकास करने के लिए, जिससे यह प्रश्न सम्बन्धित है, सरकार बंगलादेश की सरकार के साथ बात-चीत कर रही है ? अगर बातचीत हुई है तो उसके नतीजे क्या हैं ?

**श्री कमलापति त्रिपाठी :** श्रीमन्, सेंट्रल इन्वैड वाटर ट्रान्सपोर्ट कारपोरेशन बना है, उसके अंदाज भी हो गए हैं और इस बात की कोशिश की जा रही है कि इन जलमार्गों का उपयोग किया जा सके और यह कन्जेशन जो है वह दूर हो सके ।

**SHRI DINESH CHANDRA GO-SWAMI:** The hon. Minister has stated that the cargo is not available. But so far as our knowledge goes, there is a great dearth of wagons and the business community is not getting wagons even if there is cargo available. May I know what steps the Government is taking to bring down the freight in steamers and also to give incentives to the persons to take goods from Calcutta to Gauhati by steamer? I would also like to know what is the time taken by steamer from Calcutta to Gauhati.

**श्री कमलापति त्रिपाठी :** कलकत्ता से गौहाटी का डिस्टेंस एक हजार किलोमीटर है और सी-रूट से 1500 किलोमीटर है । कोशिश इस बात की हो रही है कि रेलवेज और शिपिंग डिपार्टमेंट का बातचीत करके इसका रेट ऐसा कर दिया जाये जिससे लोग शिप के जरिये से माल भेजने के लिए प्रोत्साहित हों ।

**SHRI DINESH CHANDRA GO-SWAMI:** What is the time required by a steamer from Calcutta to Gauhati?

**SHRI KAMLAPATI TRIPATHI:** I think, it will be decided very soon.

**SHRI P. VENKATASUBBAIAH:** From the hon. Minister's reply, it is not sufficiently clear that the whole system of transportation from Calcutta to Gauhati and other places by ships is being delayed not because of any change in the freight rate but because of lack of sufficient cargo. May I know from the hon. Minister when this acute transportation difficulty was brought to the notice of the Government and what immediate steps they have taken to coordinate the transport of cement and other essential commodities both by rail and sea?

**श्री कमलापति त्रिपाठी :** मैं ने जवाब दे दिया है कि हमारे पास शिप में कार्गो एवेलिबिल नहीं है, मिलता नहीं है एनफ कार्गो । कलकत्ता से गौहाटी चले जाते हैं लेकिन गौहाटी से जब लौटते हैं तो बिल्कुल खाली लौटते हैं । इसका कारण यह है कि रेलवे से चीप पड़ता है, शिप से ले जाना महंगा पड़ता है इसलिए बातचीत की जा रही है कि फ्रेट ऐंज हो जाये जिससे दोनों रास्तों को यूज किया जा सके ।

**श्री मोहम्मद इस्माल :** मन्त्री जी अभी नये हैं शायद बता न सकें, मैं यह जानना चाहता हूँ कि स्टीम नैवीगेशन कम्पनी बनी थी जो कलकत्ता से गौहाटी जूट बगैरह

तमाम गुड्स से जाया करती थी, उस कम्पनी को खत्म कर दिया है और एक कार्पोरेशन बनाया है जिसके मातहत वह बन रही है तो क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि शिपिंग कार्पोरेशन जो है और जो स्टीम नौवीगेशन कम्पनी के तमाम स्टीमर उसके मातहत चल रहे हैं तो उसमें यह बन्वोवस्त किन्ना जा सकता है कि कलकत्ता से जो सामान ही यावह गौहाटी सजाके यानी जो पहले सिललिल वह तमाम चीजें जानी चाहिए ।

**कमलापति त्रिपाठी :** मान्यवर, मैं ने निवेदन दिया कि सेंट्रल इनलैंड वाटर ट्रान्स्पॉर्ट कार्पोरेशन ने अब पहल की कम्पनी को ले लिया है और उनके पास फैसिलिटीज बहुत काफी हैं, कुछ कमाने लायक नहीं रह गये हैं तो भी काफी उनके पास हैं और इस बात की कोशिश की जा रही है कि इस जल मार्ग से भी सामान भेजा जा सके और इसके लिए बातचीत हुई है कि वह थोड़ा बहुत फ्रेट, जो घाटा लगता है उसको दें ताकि माल जल्दी पहुंच सके ।

#### New Registration of D.D.A. Flats

\*212. SHRI ISHWAR CHAUDHRY:  
SHRI G. P. YADAV:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether no registration has been done since long by D.D.A. for allotting houses to the people; and

(b) if so, the reasons therefor and by what time new registration will start?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING (SHRI BHOLA PASWAN SHASTRI): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

**श्री ईश्वर चौधरी :** सब से पहले तो मैं यह जानना चाहूंगा कि प्रश्न के अन्त में यह लिखा हुआ है कि और नया रजिस्ट्रेशन कब से शुरू हो जायेगा इस का जवाब नहीं आया ।

**अध्यक्ष महोदय :** वह कहते हैं कि रजिस्ट्रेशन बन्द ही नहीं हुआ ।

**श्री ईश्वर चौधरी :** मेरा निवेदन है कि एक पत्र में सूचना निकली है कि नया रजिस्ट्रेशन दिसम्बर से शुरू हो जायगा । तो क्या मंत्री जी उस सूचना को सही समझते हैं ? यदि हां, तो रजिस्ट्रेशन कब से लागू रखेंगे ?

**श्री भोला पासवान शास्त्री :** किस अखबार का हवाला दिया गया है ? वह अखबार अभी मेरे पास नहीं है ।

**अध्यक्ष महोदय :** वह इन को देना चाहिये । मूल प्रश्न से सवाल पैदा ही नहीं होता और तान्तीय सदस्य द्वारा दूसरा सवाल बना रहे हैं ।

**श्री ईश्वर चौधरी :** अध्यक्ष जी, जी० डी० ए० ने योजना बनायी थी कि सर्व-साधारण लोगों को मालवीय नगर वगैरह में मकान देंगे । कुछ लोगों ने इस के लिये रुपया भी जमा किया है । लेकिन अब यह कहा जा रहा है कि जो आदमी 65,000 रु० जमा करेगा उसी को मकान दिया जायेगा । तो क्या यह पैसे वालों को बड़ाबा देना नहीं है ?

**श्री भोला पासवान शास्त्री :** जो 65,000 रु० का मकान होगा वह उतने में देना ही पड़ेगा । कम में कैसे दिया जायगा ।